an>

Title: Need to develop Morena in Madhya Pradesh as a tourist destination.

श्री अनूप मिश्रा (मुरैना) : माननीय अध्यक्ष जी, मैं मध्य प्रदेश की तरफ और विशेÂष कर टूरिज्म की तरफ आपका ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं। नीति आयोग ने आदरणीय प्रधानमंत्री जी के निर्देश में टूरिज्म को बढ़ावा देने का निर्णय लिया है। मेरा अपना क्षेत्र बीहड़ों का क्षेत्र है, चम्बल, कुंवारी, आसन नदियों के किनारे का क्षेत्र है। इसके बारे में सब जगह एक अलग तरह की चर्चा होती है। यह क्षेत्र महाभारतकालीन राजा भोज की राजधानी कुन्तलपुर रहा, यहां कुन्ती का निवास स्थान था। यहां हरीसिद्धी देवी का मंदिर है। आठवीं और दसवीं सदी में मितावली, पडावली, सिहोनिया में विभिन्न प्रकार के मंदिर और भवन थे। लेकिन भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग इनके संरक्षण का काम नहीं कर रहा है। इन सब स्थानों को टूरिज्म के मेन सर्किट से जोड़ने का काम होना चाहिए। काकनमठ खजुराहो के ही पैटर्न पर बना हुआ है, लेकिन यहां आवागमन की व्यवस्था नहीं है। मैंने सैंट्रल रोड फंड के माध्यम से रोड बनाने का निवेदन किया है। जब तक यह सैंट्रल सर्किट से नहीं जुड़ेगा तक तक यहां टूरिस्ट नहीं आ सकते हैं।

अध्यक्ष महोदया, मुझे यह कहते हुए खुशी हो रही है कि आज हम लोक सभा के सदन में बैठे हैं। सर लुटियन जब मितावली में मंदिर देखने गये, तो उन्होंने लोक सभा का पूरा डिजाइन उसी योगिनी मंदिर के अनुसार किया। दूसरी खासियत यह है कि यहा जो पत्थर उपयोग में लाया गया, वह भी मुरैना, ग्वालियर का ही सैंड स्टोन है।

अध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से निवेदन करना चाहता हूं कि मितावली, पढावली, सिहोनिया, काकनमठ के साथ-साथ पहाड़गढ़ में भीमबेटका वर्ल्ड हैरिटेज है, तो महाभारत कालीन गुफाएं और उन पर चित्रकारी पहाड़गड़ के पास लिखिछज में हैं। मेरा निवेदन है कि इसे मेन टूरिज्म सर्किट से जोड़ा जाये। इसके साथ-साथ वहां पर लोगों को रोजगार और उस स्थान की महत्ता को बढ़ाने का काम तेज गति से हो, यही मैं आपके माध्यम से निवेदन करना चाहता हूं।

माननीय अध्यक्ष: श्री पूहलाद सिंह पटेल, श्री भैरों प्रसाद मिश्र, श्री सी.पी.जोशी, श्री सुधीर गुप्ता, श्री रोड़मल नागर, श्री शरद त्रिपाठी, डॉ. मनोज राजोरिया और डॉ. वीरेन्द्र कुमार को श्री अनूप मिश्रा द्वारा उठाए गए विÂषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।